अध्याय–12 संविधान का निर्माण
अंकभार–6

1. भारत का संविधान कब अस्तित्व में आया?

उत्तर– दिनांक 26 जनवरी 1950

2. भारत के संविधान को किस अवधि के बीच सूत्रबद्ध किया गया?

उत्तर– भारत के संविधान को 9 दिसंबर 1946 से 26 नवंबर 1949 के बीच सूत्रबद्ध किया गया।

3. भारतीय संविधान सभा के कुल कितने सत्र हुए?

उत्तर– 11

4. संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए जिनमें से कितने दिन बैठकों में गए?

उत्तर– 165 दिन

5. भारत आजाद कब हुआ?

उत्तर– 15 अगस्त 1947 को

6. रॉयल इंडियन नेवी (शाही भारतीय नौसेना) के सिपाहियों का विद्रोह कब हुआ?

उत्तर– 1946 के वसंत में

7. संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसने प्रस्तुत/पेश किया था?

उत्तर– 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।

8. संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– राजेन्द्र प्रसाद

9. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर

10. भारत सरकार के संवैधानिक सलाहकार कौन थे?

उत्तर– बी. एन.राव

11. 'हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं।' ये शब्द किसने, कब तथा कहाँ कहे थे?

उत्तर– 'हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं।' ये शब्द जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसंबर 1946 को संविधान सभा में कहे थे।

12. संविधान सभा के किस सदस्य को संविधान सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का स्याह साया दिखाई देता था ?

उत्तर– संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी को

13. सोमनाथ लाहिड़ी कौन थे? उनके संविधान सभा के बारे में क्या विचार थे?

उत्तर– (i) सोमनाथ लाहिड़ी संविधान सभा में एक कम्युनिस्ट सदस्य थे।

(ii) उनका विचार था कि संविधान सभा वास्तव में अंगेजों द्वारा बनाई गई है एवं यह अंग्रेजों की योजना को साकार करने का कार्य कर रही है।

14. जब गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत 1937 में चुनाव हुए तो 11 में से कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी?

उत्तर–8

15. भारत सरकार के प्रशासनिक अधिकारी एस.एन. मुखर्जी की संविधान निर्माण में क्या भूमिका थी?

उत्तर– एस.एन. मुखर्जी की भूमिका मुख्य योजनाकार की थी। एस.एन. मुखर्जी जटिल प्रस्तावों को स्पष्ट

वैधिक भाषा में व्यक्त करने की क्षमता रखते थे।

16. भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने में किन दो प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

उत्तर –भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने में एस. एन. मुखर्जी तथा बी. एन. राव नामक दो प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

17. ब्रिटिश शासन में किस कानून के जरिए प्रांतीय विधायिकाओं में सीमित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था लागू हुई थी?

उत्तर– 1919 के मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम द्वारा।

18. 1919 के मोंटेग्यू चेम्सफोड सुधारों की रूपरेखा किसने तैयार की थी?

उत्तर– एडविन मोंटेग्यू ने।

19. "पृथक निर्वाचिका एक ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका है" यह किसने कहां?

उत्तर – सरदार वल्लभ भाई पटेल ।

20. भारतीय संविधान के निर्माण से पहले के कुछ वर्ष उथल पुथल वाले कैसे थे?

उत्तर– (i) 1942 ई० में चला भारत छोड़ो आंदोलन।

(ii) सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज द्वारा की गई कार्यवाहियों।

(iii) मुस्लिम लीग द्वारा तीव्रता से फैलाया जा रहा सांप्रदायिकता का विष।

21. संविधान सभा का गठन कब हुआ ? उसके कितने सदस्य थे?

उत्तर –(i) संविधान सभा का गठन जुलाई 1946 ई० में किया गया था।

(ii) इसके कुल सदस्य 389 थे।

(iii) इसमें कांग्रेस के 82 प्रतिशत सदस्य थे।

22. संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कब बुलाया गया था ? इसका उद्देश्य क्या था?

उत्तर– (i) संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसंबर 1946 ई० को बुलाया गया था।

(ii) इसका उद्देश्य भारतीय संविधान का निर्माण करना था।

23. संविधान सभा में भाषायी अल्पसंख्यकों ने कौन सी दो माँगें कीं?

उत्तर– (i) उन्हे मातृभाषा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले।

(ii) भाषाओं के आधार पर प्रांतो का पुनर्गठन किया जाए।

24. संविधान सभा में कितने सदस्यों ने उल्लेख भूमिका निभाई? इनमें से किन्हीं दो सदस्यों के नाम लिखें।

उत्तर– (i) संविधान सभा में 6 सदस्यों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

(ii) इनमें से दो सदस्यों के नाम जवाहरलाल नेहरू एवं बी. आर. अंबेडकर थे।

25. संविधान सभा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के तीन सदस्य कौन थे?

उत्तर– संविधान सभा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के तीन सदस्य जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल एवं डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद थे।

26. दमित जातियों के विकास के लिए संविधान सभा द्वारा दिये गये किन्हीं दो सुझावों का उल्लेख कीजिए ? अथवा संविधान सभा अछूतों की समस्या का समाधान किस प्रकार करना चाहती थी?

उत्तर–(i) अस्पृश्यता का उन्मूलन किया जाए।

(ii) हिंदू मंदिरों के द्वार सभी जातियों के लिए खोल दिए जाएँ।

(iii) निचली जातियों को विधायिकाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाए।

27. दमित जातियों के दो मुख्य समर्थक नेता कौन थे?

उत्तर– दमित जातियों के दो मुख्य समर्थक नेता बी0 आर0 अंबेडकर एवं जे. नागप्पा थे।

28. संविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला?

उत्तर–(i) देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी।

(ii) प्रथम 15 वर्षों तक सरकारी कामों में अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहेगा। प्रत्येक प्रॉत को एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

29. भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले त्रिगुट में कौन कौन से सदस्य शामिल थे?

उत्तर– (i) जवाहरलाल नेहरू

(ii) वल्लभ भाई पटेल

(iii) राजेंद्र प्रसाद।

30. किसके पास संविधान सभा में संविधान के प्रारूप को पारित करवाने की जिम्मेदारी थी?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर के पास संविधान सभा में संविधान के प्रारूप की जिम्मेदारी थी।

31. बी ० पोकर बहादुर ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचिका का समर्थन क्यों किया ?

उत्तर– (i) मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर मुसलमान अच्छी प्रकार नहीं समझ सकते।

(ii) मुसलमानों की शासन में सार्थक हिस्सेदारी के लिए ।

32. बी. पोकर बहादुर की मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग से अधिकाँश राष्ट्रवादी क्या भड़क उठे ?

उत्तर– (i) वे इसे लोगों को बाँटने की एक चाल समझते थे।

(ii) वे इसे एक ऐसा विष समझते थे जिसने संपूर्ण राजनीति को विषैला कर दिया है।

33. गोविंद वल्लभ पंत ने बी. पोकर बहादुर द्वारा की गईपृथक् निर्वाचिका की मांग की क्यों आलोचना की?

उत्तर–(i) वह इसे एक आत्मघाती माँग समझते थे।

(ii) इस कारण अल्पसंख्यक स्थायी रूप से अलग थलग हो जाएंगे।

34. 'उन्हें सहारों की जरूरत है। उन्हें एक सीढ़ी चाहिए।' ये शब्द किसने तथा किनके लिए कहे?

उत्तर–ये शब्द एन० जी० रंगा ने गरीबों एवं दबे कुचले लोगों के लिए कहे।

35. आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता कौन था? उसने किस बात पर बल दिया?

उत्तर– (i) आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता जयपाल सिंह थे।

(ii) उन्होंने आदिवासियों की सुरक्षा तथा आम जनता के स्तर पर लाने के लिए आवश्यक परिस्थितियों की रचना करने पर बल दिया।

36. जयपाल सिंह आदिवासियों के लिए सीटों का आरक्षण क्यों जरूरी मानते थे?

उत्तर– (i) जयपाल सिंह आदिवासियों एवं शेष समाज के मध्य भावनात्मक एवं भौतिक अंतर को कम करना चाहते थे

(ii) वह चाहते थे कि आदिवासियों की आवाज अन्य लोग भी सुने।

37. पृथक निर्वाचिको का समर्थन करने वाले किन्हीं दो नेताओं के नाम लिखें।

उत्तर– पृथक् निर्वाचिका का समर्थन करने वाले किन्ही दो नेताओ के नाम बी0 पोकर बहादुर एवं बी0 आर0 अम्बेडकर थे।

38. पृथक निर्वाचिका आत्मघाती साबित होगी क्योंकि इससे अल्पसंख्यक बहुसंख्यकों से कट जाएंगे? यह किसने कहाँ।

उत्तर– बेगम ऐजाज रसूल।

39. संविधान सभा में यह किसने कहा कि अल्पसंख्यक शब्द की व्याख्या आर्थिक स्तर पर की जानी चाहिए?

उत्तर– किसान आंदोलन के नेता और समाजवादी विचारों वाले एन.जी. रंगा ने।

40. हिन्दुस्तानी भाषा के प्रश्न पर महात्मा गाँधी को क्या लगता था? अथवा गाँधीजी ने इस बात पर बल क्यों दिया कि भारत की राष्ट्रीय भाषा हिन्दुस्तानी होनी चाहिए?

उत्तर–महात्मा गाँधी का मानना था कि हरेक को एक ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से उर्दू के मेल से बनी समझ सके। हिंदी और हिन्दुस्तानी भारतीय जनता के बहुत बड़े भाग की भाषा थी। यह हिंदू और मुसलमान दोनों के द्वारा महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की हैः वह हिंदुओं और मुसलमानों को, उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है।

41. 'मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित्त होगी और उन्हें बहुत भारी नुकसान पहुँचाएगी। अगर उन्हें हमेशा के लिए अलग – थलग कर दिया गया तो वे कभी भी खुद को बहुसंख्यकों में रूपांतरित नहीं कर पाएँगे। निराशा का भाव शुरू से उन्हें अपंग बना देगा।' यह कथन किसका है?

उत्तर– गोविंद वल्लभ पंत।

42. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अम्बेडकर के साथ कौनसे दो वकील काम कर रहे थे, जिन्होंने संविधान के प्रारूप पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए?

उत्तर–(i) गुजरात के के. एम. मुंशी

(ii) मद्रास के अल्लादि कृष्णा स्वामी अय्यर।

43. संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी को संविधान सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का स्याह साया क्यों दिखाई देता था ?

उत्तर– 1946–47 के जाड़ों में जब संविधान सभा में चर्चा चल रही थी तो अंग्रेज अभी भी भारत में ही थे। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार शासन तो चला रही थी परंतु उसे सारा काम वायसराय तथा लन्दन में बैठी ब्रिटिश सरकार की देखरेख में करना पड़ता था। लाहिड़ी ने अपने साथियों को समझाया कि संविधान सभा अंग्रेजों ने बनाई है और वहां अंग्रेजों की योजना को साकार करने का काम कर रही है।

44. भारतीय संविधान में विषयों की कितनी सूचियों का उल्लेख हैं। उनका नाम लिखिए ? अथवा संविधान के मसौदे में कितनी सूचियां बनायी गयी थीं?

उत्तर– तीन सूचियां हैः– (i) केंद्रीय सूची
(ii) राज्य सूची
(iii) समवर्ती सूची।

45. भारतीय संविधान के अनच्छेद 356 के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर– अनुच्छेद 356 में गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दे दिया गया।

46. संविधान में केंद्र को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या प्रावधान किए गए ? कोई दो लिखिए।

उत्तर–(i) केंद्रीय सूची में सभी महत्त्वपूर्ण विषय रखे गए।

(ii) अनुच्छेद 356 के अधीन गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार राज्य सरकार के सभी अधिकारों को अपने हाथ में ले सकती है।

47. राज्यों को केंद्र की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनाए जाने के पक्ष में जो सदस्य थे उनमें सबसे उल्लेखनीय कौन थे?

उत्तर– राज्यों को केंद्र की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनाए जाने के पक्ष में जो सदस्य थे उनमें उल्लेखनीय मद्रास के के संतनम थे।

48. हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विरोध में क्या तर्क दिया गया?

उत्तर (i) अनेक लोग सोचते थे कि हिंदी को उन पर जबरदस्ती थोपा जा रहा है।

(ii) दक्षिण भारत के लोग हिंदी भाषा को नहीं समझते थे।

49. भारतीय संविधान के किन दो अभिलक्षणों पर काफी हद तक सहमति थी?

उत्तर– (i) प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देना।

(ii) धर्मनिरपेक्षता की नीति पर बल देना।

50. भारतीय संविधान में दिए गए कोई तीन मौलिक अधिकार बताए।

उत्तर– (i) समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14, 16,17)

(ii) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)

(iii) सांस्कृतिक व शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29, 30)

51. केंद्रीय सूची के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर– भारतीय संविधान की केंद्रीय अथवा संघ सूची में राष्ट्रीय महत्त्व के विषय दिए गए हैं। इन पर कानून बनाने का अधिकार केवल केंद्र को है। इनमें प्रमुख हैं विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा।

52. राज्य सूची के विषय में आप क्या जानते हैं.?

उत्तर– राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केवल राज्य सरकारों के पास हैं। इनमें महत्त्वपूर्ण हैं स्थानीय स्वशासन, पुलिस एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य।

53. समवर्ती सूची पर प्रकाश डालिए।

उत्तर –भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में 52 (मूलतः47) विषय सम्मिलित हैं। इन विषयों पर केंद्र एवं राज्य सरकारें दोनों ही कानून बना सकती हैं लेकिन टकराव की स्थिति में केंद्रीय सरकार को प्राथमिकता दी जाती है।

54. वयस्क मताधिकार क्या है?

उत्तर– वयस्क मताधिकार का अर्थ है कि प्रत्येक स्त्री पुरुष जिसकी आयु 18 वर्ष अथवा इससे अधिक है बिना किसी भेदभाव के मत देने का अधिकार

प्र–55. संविधान सभा में कौन–कौन से सदस्यों ने शक्तिशाली केन्द्र की आवश्यकता पर जोर दिया और क्यों?

उत्तर–(i) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

(ii) गोपालस्वामी अय्यर

(iii) बालकृष्ण शर्मा

(iv) सड़कों पर हो रही हिंसा का हवाला देते हुए बहुत सारे सदस्यों ने बार– बार यह कहा कि केन्द्र की शक्तियों में भारी इजाफा होना चाहिए ताकि सांप्रदायिक हिंसा को रोक सके।

56. "वह एक शक्तिशाली और एकीकृत केन्द्र चाहते हैं, 1935 के गवर्नमेंट एक्ट में हमने जो केन्द्र बनाया था उससे भी ज्यादा शक्तिशाली केन्द्र।" यह किसने कहा?

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर ने।

57. हिन्दी और उर्दू के मेल से बनी उस भाषा का नाम लिखिए जिसे महात्मा गाँधी राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलाना चाहते थे?

उत्तर– हिन्दुस्तानी भाषा

58. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान किस राजनेता ने दमित जातियों के लिए पृथक निर्वाचिका की माँग की थी?

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर ने।

59. ब्रिटिश शासन में कब कार्यपालिका को आंशिक रूप से प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाय गया और कब उसे पूरी तरह विधायिका के प्रति उत्तरदायी बना दिया गया?

उत्तर– (i) 1919 के मोटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम के द्वारा कार्यपालिका को आंशिक के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।

(ii) 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के द्वारा कार्यपालिका को पूरी तरह विधायिका के प्रति उत्तरदायी बना दिया गया।

60. यह सुझाव किसने दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भाषा भारत की राजकीय भाषा होगी ?

उत्तर– भाषा समिति ने।

61. भारत में हुए विभिन्न जन आंदोलनों का एक महत्त्वपूर्ण पहलू कौन सा था?

उत्तर– व्यापक हिन्दू – मुस्लिम एकता इन जन आंदोलनों का एक अहम पहलू था।

62. संविधान सभा के किस सदस्य ने महात्मा गाँधी के आह्वान पर दक्षिण भारत में हिन्दी का प्रचार जारी रखा?

उत्तर– श्रीमती दुर्गा बाई ने।

63. संविधान सभा के एक शुरूआती सत्र में संयुक्त प्रान्त के किस एक कांग्रेसी सदस्य ने इस बात के लिए पुरजोर शब्दों में आवाज उठाई कि हिंदी को संविधान निर्माण की भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाए? अथवा यह किसने कहा कि हिंदी को राजभाषा नहीं बल्कि राष्ट्रभाषा घोषित किया।

उत्तर– आर.वी. धुलेकर।

64. "अर्धरात्रि के इस क्षण में जब दुनिया सो रही है, भारत जीवन और स्वतंत्रता की ओर जाग रहा है।" यह कथन किसका है?

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरू।

65. संविधान सभा में यह प्रस्ताव किसने पेश किया कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज पट्टियों का तिरंगा झंडा होगा जिसके बीच में गहरे नीले रंग का चक्र होगा।ष केसरिया, सफेद और गहरे हरे रंग की तीन बराबर चौड़ाई वाली

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरू ने।

66. 1947 ई० में भारत के विभाजन के पश्चात् भारत सरकार नवजात राष्ट्र को किन दो प्रमुख समस्याओं के एकीकरण की समस्या का सामना करना पड़ा।

उत्तर– 1947 ई० में भारत के विभाजन के पश्चात् भारत सरकार को शरणार्थियों की समस्या एवं देशी रियासतों के एकीकरण की समस्या का सामना करना पड़ा।

67. अंग्रेजी सरकार ने प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कौन से संवैधानिक सुधार पारित किए?

उत्तर– अंग्रेजी सरकार ने प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 1909 ई०, 1919 ई० तथा 1935 ई० के संवैधानिक सुधार पारित किए।

<u>दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (3 अंक) –</u>

1. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर जोर दिया गया था?

उत्तर–13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा फ्रेमवर्क सुझाया जिसके तहत संविधान का कार्य आगे बढ़ाना था। यथा–

(i) इसमें भारत को एक 'स्वतन्त्र सम्प्रभु गणराज्य' घोषित किया गया।

(ii) इसमें समस्त नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता और न्याय का आश्वासन दिया गया।

(iii) इसमें इस बात पर भी बल दिया गया कि अल्पसंख्यकों, पिछड़े व जनजातीय क्षेत्रों एवं दमित व अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किए जाएँगे।

(iv) इसी अवसर पर नेहरू ने बोलते हुए कहा कि उनकी दृष्टि अतीत में हुए उन ऐतिहासिक प्रयोगों की ओर जा रही है जिनमें अधिकारों के ऐसे दस्तावेज तैयार किए गए थे।

(v) नेहरू ने कहा कि भारतीय संविधान का उद्देश्य होगा– लोकतंत्र के उदारवादी विचारों और आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक–दूसरे में समावेश करें तथा भारतीय संदर्भ में इनकी रचनात्मक व्याख्या करें।

2. संविधान सभा के ऐसे दो महत्त्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी।

उत्तर– संविधान के कुछ ऐसे महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण भी हैं, जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी। यथा–

<u>**(i) वयस्क मताधिकार –**</u> संविधान का एक केन्द्रीय अभिलक्षण वयस्क मताधिकार है। इस पर संविधान सभा में प्रायः आम सहमति थी। यह सहमति प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देने पर थी। इसके पीछे एक खास किस्म का भरोसा था जिसके पूर्व उदाहरण अन्य देश के इतिहास में नहीं थे। दूसरे लोकतंत्रों में पूर्ण वयस्क मताधिकार धीरे–धीरे कई चरणों से गुजरते हुए, लोगों को मिला।

<u>**(ii) धर्मनिरपेक्षता पर बल –**</u> हमारे संविधान का दूसरा महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण था– धर्मनिरपेक्षता पर बल। संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता के गुण तो नहीं गाए गए थे परन्तु संविधान व समाज को चलाने के लिए भारतीय सन्दर्भों में उसके मुख्य अभिलक्षणों का जिक्र आदर्श रूप में किया गया था। ऐसा मूल अधिकारों की श्रृंखला को रचने के जरिये किया गया, विशेषकर 'धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकारा' (अनुच्छेद 25–28), 'सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार' (अनुच्छेद 29–30) एवं 'समानता का अधिकार' (अनुच्छेद 14, 16, 17)। भारतीय राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता में राज्य व धर्म के बीच पूर्ण विच्छेद नहीं रहा। संविधान सभा ने इन दोनों के बीच एक विवेकपूर्ण फासला बनाने की कोशिश की है।

3. सविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला?

उत्तर– संविधान सभा की भाषा समिति ने राष्ट्रीय भाषा के सवाल पर हिन्दी के समर्थकों और विरोधियों के बीच पैदा हो गए गतिरोध को तोड़ने के लिए फार्मूला विकसित कर लिया था। समिति ने सुझाव दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी। समिति का मानना था कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हमें धीरे–धीरे आगे बढ़ना चाहिए। प्रथम 15 वर्षों तक सरकारी कार्यों में अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रहेगा प्रत्येक प्रांत को अपने कामों के लिए कोई एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

इस प्रकार संविधान सभा की भाषा समिति ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा की बजाय राजभाषा कहकर विभिन्न पक्षों की भावनाओं को शांत करने और सर्वस्वीकृत समाधान पेश करने का प्रयास किया था।

4. महात्मा गाँधी को ऐसा क्यों लगता था कि हिन्दुस्तानी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए ?

(अथवा)

महात्मा गाँधी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा क्यों बनाना चाहते थे? व्याख्या कीजिए।

उत्तर– 1930 के दशक तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यह मान लिया था कि हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया जाए। गाँधीजी का मानना था कि हरेक व्यक्ति को ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सकें। हिन्दी और उर्दू के समिश्रण से बनी 'हिन्दुस्तानी' भारतीय जनता के बहुत बड़े हिस्से की भाषा थी और यह विविध संस्कृतियों के आदान–प्रदान से समृद्ध हुई एक साझी भाषा थी। जैसे–जैसे समय बीता, बहुत तरह के स्त्रोतों से नए–नए शब्द और अर्थ इसमें समाते गए और उसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत सारे लोग समझने लगे।

महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की आदर्श भाषा हो सकती है। वह हिन्दुओं और मुसलमानों को उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है। इन सभी कारणों से गाँधीजी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे।

5. प्रश्न 3. प्रांतों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में क्या तर्क दिए गए?

उत्तर–राज्यों के अधिकारों की सबसे शक्तिशाली हिमायत मद्रास के सदस्य के संतनम ने प्रस्तुत की। उन्होंने प्रान्तों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिये–

(i) उन्होंने कहा कि न केवल राज्यों को बल्कि केन्द्र को ताकतवर बनाने के लिए शक्तियों का पुनर्वितरण आवश्यक है। यदि केन्द्र के पास जरूरत से ज्यादा शक्तियाँ होंगी तो वह प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पाएगा। उसके कुछ दायित्वों को कम करने से और उन्हें राज्यों को सौंप देने से केन्द्र ज्यादा मजबूत हो सकता है।

(ii) संतनम का दूसरा तर्क यह था कि शक्तियों का मौजूदा वितरण उन्हें पंगु बना देगा। राजकोषीय प्रावधान प्रांतों को खोखला कर देगा क्योंकि भू–राजस्व के अलावा ज्यादातर कर केन्द्र सरकार के अधिकार में दे दिए गए हैं। यदि पैसा ही नहीं होगा तो राज्यों में विकास

परियोजनाएँ कैसे चलेंगी।

(ii) संतनम ने एक और तर्क देते हुए कहा कि अगर पर्याप्त जाँच–पड़ताल किए बिना शक्तियों का प्रस्तावित वितरण लागू कर दिया गया तो हमारा भविष्य अंधकार में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ही सालों में सारे प्रान्त केन्द्र के विरुद्ध उठ खड़े होंगे। उड़ीसा के एक सदस्य के अनुसार बेहिसाब केन्द्रीकरण के कारण केन्द्र बिखर जाएगा।

6. संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से कैसे प्रभावित होती थी? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–(i) जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों के तर्क समाचार–पत्रों में छपते थे तथा समस्त प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी।

(ii) सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए देश की जनता के सुझाव भी आमन्त्रित किये जाते थे।

(iii) कई भाषायी अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की माँग करते थे।

(iv) धार्मिक अल्पसंख्यक अपने विशेष हित सुरक्षित करवाना चाहते थे और दलित जाति के लोग शोषण के अन्त की माँग करते हुए राजकीय संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।

7. वे कौनसी ऐतिहासिक ताकतें थी जिन्होंने संविधान का स्वरूप तय किया?

उत्तर– भारतीय संविधान सभा द्वारा 9 दिसम्बर 1946 से 26 नवम्बर 1949 तक संविधान का निर्माण किया गया। संविधान के स्वरूप को प्रभावित करने वाली प्रमुख ताकतें निम्नलिखित थीः–

(i) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः–

संविधान के स्वरूप को तय करने वाली प्रमुख ताकतों में कांग्रेस पार्टी की भूमिका सर्वाधिक थी। संविधान सभा में लगभग 82 प्रतिशत सदस्य इसी पार्टी के थे। कांग्रेसके प्रमुख नेताओं में जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल व डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रमुख थे। जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया। सरदार पटेल ने अनेकानेक रिपोर्टों के प्रारूप लिखे तथा राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा की अध्यक्षता की।

(ii) दलित एवं आदिवासी ताकतेंः–

संविधान सभा के स्वरूप को प्रभावित करने वाली ताकतों में दलित एवं आदिवासी नेता भी प्रमुख भूमिका निभा रहे थे। इनमें सर्वाधिक भूमिका बी. आर. अम्बेडकर की थी। संविधान सभा की प्रारूप समिति की अध्यक्षता करते हुए अम्बेडकर ने संविधान सभा में दलित जातियों के पक्ष में पुरजोर दलिलें देकर विशेष रियायतें प्राप्त की।

(iv) जनमत सहभागिताः–

संविधान सभा में हुई चर्चाओं को अखबारों में छापा जाता था जिसे पढ़कर जनता भी अपनी तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करती थी। अतः जनमत को भी संविधान के स्वरूप को प्रभावित करने वाली ताकत माना जाता है।

(v) बुद्धिजीवी वर्गः– संविधान के स्वरूप को तय करने में बुद्धिजीवी वर्ग ने भी प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से महती भूमिका निभाई। इन्होंने देश की जनता को जाग्रत करके राष्ट्रीयता के स्वरूप को ही बदल डाला।

8. विभिन्न समूह 'अल्पसंख्यक' शब्द को किस तरह परिभाषित कर रहे थे?

उत्तर–सामान्यतः अल्पसंख्यक शब्द से हमारा तात्पर्य राष्ट्र की कुल जनसंख्या में किसी वर्ग अथवा समुदाय के कम अनुपात से है परन्तु अलग–अलग लोगों ने अपने– अपने ढंग से अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित किया है, जो इस प्रकार हैं–

(i) मद्रास के बी. पोकर बहादुर के अनुसार मुसलमान अल्पसंख्यक थे, क्योंकि मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर–मुसलमान अच्छी प्रकार से नहीं समझ सकते, न ही अन्य समुदायों के लोग मुसलमानों का कोई सही प्रतिनिधि चुन सकते हैं।

(ii) कुछ लोग दमित वर्ग के लोगों को हिन्दुओं से अलग करके देख रहे थे, और उनके लिए अधिक स्थानों का आरक्षण चाह रहे थे।

(iii) एन.जी. रंगा के अनुसार असली अल्पसंख्यक गरीब और दबे–कुचले लोग थे। रंगा आदिवासियों को अल्पसंख्यक मानते थे। उनका शोषण व्यापारियों, जमींदारों तथा सूदखोरों द्वारा किया जा रहा था। जयपालसिंह ने भी आदिवासियों को अल्पसंख्यक बताया।?

(iv) एन.जी. रंगा के अनुसार अल्पसंख्यक तथाकथित पाकिस्तानी प्रान्तों में रहने वाले हिन्दू, सिख और यहाँ तक मुसलमान भी अल्पसंख्यक नहीं हैं। असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है, यह जनता इतनी दमित, उत्पीड़ित और कुचली हुई हैं कि अभी तक साधारण नागरिक को मिलने वाले लाभ नहीं उठा पा रही है।